वर्ष-25 अंक-02 अप्रैल - जून 2024

# संपर्क सरिता

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल की त्रैमासिक पत्रिका


**संपादक-मंडल**

**निदेशक**
प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

**संपादक**
प्रो. पी.के. पुरोहित

**सहायक संपादक**
श्रीमती बबली चतुर्वेदी

**डिज़ाइन**
श्री जितेन्द्र चतुर्वेदी

**सहयोग**
श्रीमती साधना त्रिपाठी

**छायांकन**
श्री रितेन्द्र पवार



Deemed to be University under Distinct Category

**राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल**
(समविश्वविद्यालय, विशिष्ट श्रेणी अंतर्गत)
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार,
शामला हिल्स,
भोपाल 462002,
(म.प्र.) भारत


**सोशल मीडिया लिंक**

twitter.com/nitttrbpl

faceboo.com/nitttrbhopalofficial

instagram.com/nitttrbhopal

**प्रो. सी. सी. त्रिपाठी**
निदेशक

## संदेश

संस्थान की राजभाषा पत्रिका “संपर्क सरिता” के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण होने पर समस्त संस्थान परिवार को हार्दिक बधाई!

जिस प्रकार सहज रूप में प्रवाहित सरिता आदि काल से अब तक न जाने कितनी जलराशि को सागर तक पहुँचा चुकी उसी प्रकार “संपर्क सरिता” भी विगत 25 वर्षो से निरंतर हिंदी के प्रचार-प्रसार में संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए अग्रणी भूमिका निभाती रही है।

राजभाषा हिंदी में कार्य करना हम सभी के लिए सम्मान एवं गौरव की बात है। हिंदी शासन-प्रशासन की भाषा तो बहुत बाद में बनी, उससे पहले यह जन-मानस के हृदय में विराजमान हो चुकी थी। स्वतंत्रता आंदोलन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि हिंदी ने पूरे राष्ट्र को एकजुट करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी भारतीय संस्कृति की भाषा है और यह हमारे धर्म, दर्शन एवं अध्यात्म को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संस्थान राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में सतत प्रयत्नशील है तथा राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रहा है। तकनीकी संस्थान होने के बाद भी हमारे संस्थान का प्रत्येक व्यक्ति हिन्दी में कार्य अपने दिल से करता है, यह दर्शाता है की हम हिन्दी में कार्य केवल औपचारिकता निभाने के लिए नहीं अपितु अपनी मातृभाषा के प्रति हमारे समर्पण, लगाव व सम्मान के लिए करते है। आप सभी हिंदी के कार्य सरलता व सहजता से करने के लिए भारत सरकार द्वारा बनाए गए कंठस्थ, अनुवादिनी जैसे टूल्स का उपयोग कर राजभाषा हिंदी को आगे बढ़ा सकते है।

हिंदी एक स्वतंत्र और सक्षम भाषा है और आज आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी से जोड़ा जाए। साथ ही, हिंदी में हर प्रकार के विषय व कंटेंट पर मौलिक कार्य कर भाषा को समृद्ध किया जाए। नई शिक्षा नीति-2020 इस दिशा में एक सशक्त कदम है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी निरंतर अपनी आवश्यकता सिद्ध करती जा रही है जरूरत इस बात की है कि हिंदी में अधिकाधिक मौलिक, रचनात्मक व सृजनात्मक कार्य हों।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि राजभाषा पत्रिका "संपर्क सरिता" संस्थान द्वारा हिंदी को लोकप्रिय बनाने में निरन्तर कार्य करती रहेगी। “संपर्क सरिता” के संपादक मंडल के समस्त सदस्यों को बधाई!!!

पत्रिका के नए अंक प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिन्द!!!

**डॉ. पी.के पुरोहित**
संपादक

## संदेश

संस्थान की राजभाषा पत्रिका "संपर्क सरिता" के 25वे वर्ष का दूसरा संस्करण आप सब के समझ प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।
वर्ष 1999 से प्रारंभ हुई त्रैमासिक पत्रिका "संपर्क सरिता" की सार्थक यात्रा सतत रूप से जारी है। पूर्व में यह पत्रिका चार पृष्ठों की श्वेत-श्याम स्वरूप में प्रकाशित की जाती थी। समय के साथ-साथ इसके स्वरूप में व्यापक परिवर्तन हुआ तथा वर्तमान में पत्रिका विभिन्न रंगों से सजी हुई बहुत ही सुंदर स्वरूप में प्रकाशित होती है। इस पत्रिका ने एक बहुत ही लंबा सफर तय करते हुए देशभर के विभिन्न संस्थानों के बीच लोकप्रियता हासिल की है। संपर्क सरिता में प्रकाशित जानकारी एवं स्वरूप को देखते हुए राजभाषा से संबंधित विभिन्न संस्थानों द्वारा कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। गत वर्ष संसदीय राजभाषा समिति द्वारा भी संस्थान के कार्यों की सराहना की गई, जो की हमारे संस्थान के लिए एक विशिष्ठ उपलब्धि है। वर्तमान परिदृश्य में कोविड-19 के समय से संपर्क सरिता को ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

किसी भी संस्थान की पत्रिका उस संस्थान की गतिविधियों का प्रतिबिंब होती है तथा संस्थान की छवि निर्माण में महतवपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। पिछले कई अंकों से "संपर्क सरिता" के द्वारा आप तक संस्थान की उपलब्धियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, विभिन्न गतिविधियां, परियोजनाएं, आदि की विस्तृत जानकारी सचित्र आपके समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। संपर्क सरिता का यह अंक अत्यंत विशेष है क्यूंकि पत्रिका ने अपने 25 वर्षो का निरंतर प्रकाशन पूर्ण किया है।

हिंदी भारत की संविधान सम्मत राजभाषा है। सरिता के सुंदर और मजबूत तटबंधो और उस पर बसे नगरों की भांति ही वर्तमान समाज का दायित्व राजभाषा हिंदी की शब्द सम्पदा और इसके शब्दानुशासन को सुन्दर और मजबूत बनाना है, जिससे यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति सहजता और दृढ़ता से कर सके। यह वर्तमान समाज का कर्तव्य और उत्तरदायित्व दोनों है और यही भविष्य का आधार भी बनेगा।
राजभाषा पत्रिका "संपर्क सरिता" हिंदी के सहज और शास्वत प्रवाह में सहयोगी बने इस भावना के साथ आपके समक्ष प्रस्तुत है तथा आपके सुझावों और मनोभावों का सदैव स्वागत है।

हार्दिक शुभकामनाएं!!!!

# संस्थान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम व कार्यशालाएं

## राजभाषा पत्रिका "संपर्क सरिता" 25वे वर्ष के प्रथम अंक का विमोचन

### सरिता का प्रवाह रुकना नहीं चाहिए :- प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

संस्थान की त्रैमासिक राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' के 25वे वर्ष के प्रथम अंक का विमोचन संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का प्रवाह रुकना नहीं चाहिए। हम हिंदी के कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर पूरे मन से करते है। संस्थान की पत्रिका ''संपर्क सरिता'' हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में प्रशंसनीय प्रयास है। पत्रिका के संपादक डॉ. पी.के. पुरोहित ने बताया कि राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का प्रकाशन गत 25 वर्षो से निरंतर किया जा रहा है। विगत 25 वर्षों से बिना किसी अवरोध के राजभाषा पत्रिका का समय पर प्रकाशन हमारे संस्थान के लिए गर्व का विषय है तथा ये हमारी हिंदी के प्रति प्रतिबध्ता को भी दर्शाता है। पत्रिका में संस्थान द्वारा देशभर में आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम, विभिन्न गतिविधियां, परियोजनाएं, विदेशी शिक्षकों के लिये आयोजित किये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्योग जगत के लिए आयोजित किये

जाने कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी सचित्र प्रकाशित की जाती है। ''संपर्क सरिता'' के माध्यम से देशभर के विभिन्न संस्थानों के साथ महत्वपूर्ण जानकारी साझा कर सतत संपर्क बना रहता है। वर्तमान में संपर्क सरिता को ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित की जा रही है। विमोचन अवसर पर पत्रिका के संपादक डॉ. पी.के. पुरोहित, डिज़ाइनर श्री जीतेन्द्र चतुर्वेदी, सह-संपादक श्रीमती बबली चतुर्वेदी व श्री संजय त्रिपाठी उपस्थित थे।

## संस्थान स्थापना दिवस समारोह - उद्घाटन सत्र

### तकनीकी शिक्षा हमारी अर्थव्यवस्था का एक महतवपूर्ण स्तंभ है :- श्री रविन्द्र कान्हारे

संस्थान ने अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने पर स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया जिस के उद्धाटन सत्र के अवसर पर प्रवेश एवं शुल्क नियामक समीति मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री रविन्द्र कान्हारे, मुख्य अतिथि थे। श्री कान्हारे ने इस अवसर पर कहा कि 60 वर्षों की इस प्रगतिपूर्ण यात्रा में एनआईटीटीटीआर भोपाल ने देशभर में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनायी है।

यहाँ कार्यरत संकाय सदस्य, अधिकारी व कर्मचारियों की ही मेहनत व प्रयासों के फलस्वरूप आज संस्थान ने विशिष्ट श्रेणी में सम-विश्वविध्यालय का दर्जा प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ हमे नवीनतम तकनीको को अपनाना होगा जिससे हम हमारे विद्यार्थियों के लिए अच्छा पाठ्यक्रम निर्मित कर सके। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने संस्थान के इतिहास, उपलब्धियां व भावी योजनाओ के बारे में बताते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में असेसमेंट में नवाचार की आवश्यकता है, आधुनिक तकनीकी शिक्षा में समावेशिता और विविधता को प्राथमिकता देनी चाहिए जिसके लिए एक शैक्षणिक वातावरण बनाना आवश्यक है, जहाँ सभी विद्यार्थी, अपनी पृष्ठभूमि के इतर स्वागत व समर्थन महसूस कर सके। संस्थान स्थापना दिवस को एक दिवसीय ना मनाकर पूर्ण सप्ताह 07 अप्रैल से 12 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रमों, व्याख्यान श्रंखलाओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस पूर्ण सप्ताह में विभिन्न उद्योगों व शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने संस्थान की उच्च-तकनीकी प्रयोगशालों का भ्रमण भी किया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. सुब्रत रॉय थे तथा इस अवसर पर संस्थान संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण, प्रशिक्षणार्थी व सेवानिवृत्त कर्मचारी परिवार सहित उपस्थित थे।

## संस्थान स्थापना दिवस समापन सत्र

### नवाचार के बिना कोई देश प्रगति नहीं कर सकता :- प्रो. संजय तिवारी

संस्थान के स्थापना सप्ताह के समापन समारोह में मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी मुख्य अतिथि थे। प्रो. संजय तिवारी ने संस्थान को तकनीकी शिक्षा में योगदान के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रो. तिवारी ने कहा कि “आपका संस्थान अपने कार्यो के प्रति सजग एवं समर्पित है जो दूसरे संस्थानों के लिए आदर्श भी है। आज बिना नवाचार के कुछ भी संभव नहीं है। आज शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता

है।” उन्होंने भविष्य की तकनीको के अनुसार विद्यार्थियों को तैयार करने पर बल दिया। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि मुझे गर्व है की संस्थान का एक-एक व्यक्ति संस्थान के विकास में लगा हुआ है। हम सभी ये शपथ ले की हम किसी भी कार्य में गुणवत्ता से समझौता कभी नहीं करेंगे। सम विश्वविध्यालय बनने के बाद लोगों की अपेक्षाएं हमारे संस्थान से बढ़ गयी हैं। संस्थान ने पूर्ण सप्ताह 07 अप्रैल से 12 अप्रैल तक इंजीनियरिंग/पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों और स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं के भ्रमण का आयोजन किया गया था, जिसमें उन सभी ने उत्कृष्टता केंद्र की 11 उच्च तकनीकी प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच विज्ञान और

प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए नवाचार करने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों और शिक्षक ने इन उच्च तकनीकी प्रयोगशालाओं के भ्रमण के बाद कहा कि आज हमे सैद्धांतिक अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से जानने का अवसर मिला है। विद्यार्थियों ने यहाँ इंडस्ट्री एवं संस्थानों में रोज़गार के लिए आवश्यकताओं को भी जाना। इस पूर्ण सप्ताह में विभिन्न उद्योग जगत व शैक्षणिक संस्थानों के 600 से ज्यादा विद्यार्थियों, शिक्षकों और उद्योग प्रतिनिधियों ने संस्थान की प्रयोगशालों, विभागों व अन्य सुविधाओं को देखा। कार्यक्रम समापन के अवसर पर विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों के मध्य एक संवादात्मक सत्र हुआ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो सुब्रत रॉय थे व कार्यक्रम का संचालन श्रीमती बबली चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

## उद्योग प्रतिनिधियों का संस्थान में भ्रमण

### इंडस्ट्रीज-इंस्टिट्यूटस का एक साथ आना समय की मांग : प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

संस्थान ने अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उद्योग प्रतिनिधियों को अपने परिसर में आमंत्रित किया। उद्योग प्रतिनिधियों ने संस्थान के उत्कृष्टता केंद्र की उच्च-तकनीकी प्रयोगशालाओं एवं संस्थान की अन्य सुविधाओं को देखा। संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी.

त्रिपाठी ने उद्योग प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज इंडस्ट्रीज-इंस्टिट्यूटस का एक साथ आना समय की मांग है। हम सभी को एक दूसरे के पास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। उद्योग हमारे पास उपलब्ध प्रौद्योगिकी एवं ज्ञान को उत्पादो में बदलने का कार्य कर सकते हैं। दौलतराम इंजीनियरिंग के प्रबंध निदेशक, श्री सी.पी शर्मा ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानो की सुविधाओं का लाभ लेकर इंडस्ट्रीज अपनी छोटी से लेकर बड़ी समस्या को भी हल कर सकती है। मंडीदीप इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने कहा कि इंडस्ट्रीज-इंस्टिट्यूटस को एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करना होगा तभी उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार कुशल जनशक्ति मिल सकती है। संस्थान उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में उच्च कौशल प्रशिक्षण, औद्योगिक परामर्श और अनुसंधान कार्य कर रहा है। आज विभिन्न प्रदेशों में उभरती हुई प्रौद्योगिकी को पाठ्यक्रम में शामिल कर उद्योग जगत के लिए कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को पूर्ण करने में भी संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर कई उद्योग के प्रतिनिधि तथा संस्थान के संकाय सदस्य प्रो. के.के जैन, प्रो. ए.के सराठे, प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. एम.ए रिज़वी व प्रो. वंदना सोमकुंअर उपस्थित थे।

## गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय के प्रतिनिधियों का संस्थान में भ्रमण

### "चलता हैं" की प्रवृत्ति अब नहीं चलेगी: प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

रक्षा मंत्रालय के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) की भोपाल इकाई के गुणवत्ता आश्वासन अधिकारी कैप्टन डॉ.ओ.पी शर्मा ने परस्पर सहयोग के लिए संस्थान के उत्कृष्ठता केंद्र की प्रयोगशालों एवं विभिन्न विभागों का भ्रमण किया। गुणता आश्वासन महानिदेशालय सशस्त्र सेनाओं को आपूर्ति किए जाने वाले शस्त्रों, गोला-बारूद, उपकरण और भंडार-सामग्री की संपूर्ण सामग्री की गुणता सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि आज हर क्षेत्र में गुणवत्ता एक महत्पूर्ण पैमाना बन गया है। आज इंजीनियरिंग और तकनीकी से संबंधित विषयों के विद्यार्थी एवं कार्य करने वाले सभी लोगों को गुणवत्ता मानको की जानकारी आवश्यक है जिसके लिए संस्थान इस दिशा में निरंतर प्रयासरत्त है। आज किसी को भी गुणवत्ता से समझौता करने की कोई आवश्यकता या बाध्यता नहीं है, "चलता है" अब नहीं चलेगा। संस्थान रक्षा मंत्रालय के साथ किसी भी रूप में कार्य करने पर अपने आपको गौरवान्वित महसूस करेगा। दोनों संस्थानों ने विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग पर विस्तृत चर्चा की। कैप्टन डॉ. ओ.पी शर्मा ने

संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे महाराष्ट्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एम.आई.टी) पुणे के विद्यार्थियों से स्वदेशी व्यवसायों पर विचार, स्टार्टअप्स एवं रक्षा सेवाओं की जानकारी दी एवं कहा कि आज का युवा चुनौतीयों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। इस अवसर पर संस्थान से अधिष्ठाता, कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. के.के जैन, प्रो. ए.के सराठे, मेजर निशांत ओझा व श्री जय सिंह भी उपस्थित थे।

## क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के प्रतिनिधियों का संस्थान में भ्रमण

### कृषि के क्षेत्र में तकनीक की मदद से क्रांति आई है :- प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

संस्थान में क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड नई दिल्ली के उपाध्यक्ष डॉ. एस.पी पाण्डेय ने विभिन्न विभागों तथा उत्कृष्ठता केंद्र की प्रयोगशालों का भ्रमण किया। डॉ. एस.पी पाण्डेय ने कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों के साथ उद्योगों की वास्तविक समस्याएँ एवं उनके समाधान पर चर्चा की तथा कहा कि कृषि के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है। आज प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ लागत प्रभावी उत्पादों और प्रक्रियाओं पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। रोजगार योग्य "इंडस्ट्री रेडी स्टूडेंट्स" तैयार करने के लिए उद्योग एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग एवं समन्वय जरुरी है। आज विद्यार्थी एवं शिक्षकों को इंडस्ट्री

का एक्सपोज़र आवश्यक है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि आज उन्नत तकनीकों की मदद से कृषि के क्षेत्र में क्रांति

आ गई है और किसानो का जीवन आसान हुआ है। हमारे उत्कृष्ठता केंद्र की प्रयोगशालों में भी उद्योगों की वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर कार्य किया जा रहा है। समाज की समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षण संस्थानों को उद्योग जगत से जोड़ना जरूरी है। आज ड्रोन एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में नए नवाचार हो रहे हैं। इस अवसर पर संस्थान के अधिष्ठाता कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. के.के जैन, प्रो. सीमा वर्मा व डॉ. इज़हार अहमद उपस्थित थे।

## संस्थान और आई.आई.टी मंडी के बीच एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर

### शोध केवल पेपर प्रकाशन तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए :- प्रो. सी.सी त्रिपाठी

संस्थान ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी) मंडी, हिमाचल प्रदेश के साथ मिलकर अनुसंधान, नवाचार और आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है। इस एमओयू पर दोनों संस्थानो के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी एवं प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने हस्ताक्षर किये। निदेशक प्रो.सी.सी त्रिपाठी ने कहा कि दोनों संस्थान सेमीकंडक्टर डिवाइस की असेंबली एवं पैकेजिंग के

क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में शोध केवल पेपर प्रकाशन तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि पैकेजिंग के माध्यम से प्रोडक्ट के रूप में जन-जन तक पहुंचना चाहिए। वर्तमान में दुनिया सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विकास के लिए भारत की और देख रही है, जिसके लिए भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत लक्ष्य घरेलू निर्माण और नवाचार को बढ़ावा देते हुए भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजाइन का केंद्र बनाना है। संस्थान आउटसोर्सड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओसेट) के लिए कौशल केंद्र प्रारम्भ करने जा रहा है। इस केंद्र में सेमीकंडक्टर उद्योग से सम्बंधित सभी प्रकार का प्रशिक्षण दिया जायेगा। दोनों संस्थान शैक्षणिक, अनुसंधान, संकाय-विद्यार्थी आदान-प्रदान, संयुक्त कार्यशालाएं, सेमिनार, कैपेसिटी बिल्डिंग, स्टूडेंट्स इंटर्नशिप, इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स आदि के क्षेत्र में आपसी सहमति से कार्य कर कुशल मेन पावर तैयार करेंगे।

## रक्षा मंत्रालय के कमोडोर संजय चोपड़ा का संस्थान में भ्रमण

### रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक से आत्म-निर्भरता की दिशा में अग्रसर है भारत :- प्रो. सी.सी त्रिपाठी

रक्षा मंत्रालय के क्वालिटी एश्योरेंस निदेशालय (युद्धपोत परियोजनाएं), नई दिल्ली के उप-महानिदेशक, कमोडोर संजय चोपड़ा ने संस्थान के विभिन्न विभागों एवं उत्कृष्टता केंद्र की उच्च तकनीकी प्रयोगशालों का भ्रमण किया। क्वालिटी एश्योरेंस महानिदेशालय सशस्त्र सेनाओं को आपूर्ति किए जाने वाले शस्त्रों, गोला-बारूद, उपकरण और भंडार-सामग्री की संपूर्ण रेंज के लिए गुणता सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारा संस्थान रक्षा क्षेत्र के उपकरण, मानव-संसाधन का प्रशिक्षण, विद्यार्थियों को डिफेन्स की रियल-लाइफ प्रोब्लम्स, डिफेंस की क्वालिटी एश्योरेंस लैब्स में संस्थान में बने उपकरणों और

प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता का परीक्षण आदि क्षेत्रों में भूमिका निभा सकता है। रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी तकनीको को अपनाते हुए भारत आत्म-निर्भरता की दिशा में अग्रसर है। कमोडोर संजय चोपड़ा ने संस्थान की इंडस्ट्री 4.0 लैब्स का भ्रमण करते हुए कहा कि निटर भोपाल डिफेंस के कई संस्थानों के साथ मिलकर कार्य कर सकता हैं। उन्होंने रक्षा के क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं इसमें संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री चोपड़ा ने संस्थान के संकाय और तकनीकी कर्मचारियों से भी चर्चा की। संस्थान ने इस दिशा में रक्षा मंत्रालय को समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यु) का प्रस्ताव दिया है। इस अवसर पर कैप्टन डॉ. ओ.पी शर्मा तथा संस्थान से प्रो. पी.के पुरोहित, प्रो. के.के जैन, प्रो. आर.के दीक्षित, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. पल्लवी भटनागर, मेज़र निशांत ओझा व डॉ. जय सिंह उपस्थित थे।

## संस्थान और लिंकेज टेक्नोलॉजीज भोपाल के बीच एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर

### संस्थान और उद्योग साथ मिलकर आयात पर निर्भरता कम कर सकते है: प्रो. सी.सी त्रिपाठी

संस्थान ने लिंकेज टेक्नोलॉजीज भोपाल के साथ समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने कहा कि आज तकनीकी संस्थानो को उद्योग की वास्तविक समस्याओं पर कार्य करना आवशयक है। तकनीकी संस्थान और उद्योग साथ मिलकर आयात पर निर्भरता कम कर देश की समृद्धि में अपना योगदान दे सकते है। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सभी संस्थानों की विशेषज्ञता एवं संसाधनों का परस्पर सहयोग जरूरी है।

लिंकेज टेक्नोलॉजीज के प्रबंध निदेशक श्री दीपक शर्मा ने कहा कि आज भारत में इंडस्ट्रीज के सामने स्वदेशी प्रोडक्ट बनाने के लिए अपार सम्भावना हैं। पिछले कुछ वर्षों में मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट के कारण आयात पर भी निर्भरता कम हुई है जो की देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत है। श्री दीपक शर्मा ने कोविड समय में उनकी कंपनी द्वारा विकसित स्वदेशी प्रोडक्ट की भी जानकारी दी और कहा कि हमारा इतिहास हर क्षेत्र में समृद्ध रहा है आवश्यकता है सिर्फ प्रयास करने की। इस एमओयू के माध्यम से विद्यार्थी-संकाय प्रशिक्षण, शोध एवं परामर्श के क्षेत्र में औद्योगिक अनुभव मिलेगा। इस अवसर पर लिंकेज टेक्नोलॉजीज के टेक्निकल हेड श्री विजय लोखंडे, श्री प्रवीण फिरके व संस्थान के प्रो. पी.के पुरोहित, अधिष्ठाता, कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स, प्रो. के.के जैन व प्रो. आर.के दीक्षित उपस्थित थे।

## अकादमिक परिषद की बैठक संपन्न

### राष्ट्रीय शिक्षा नीति समाज में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी :-प्रो. सी. सी. त्रिपाठी

संस्थान को समविश्वविद्यालय की उपाधि उपरांत अकादमिक परिषद की पहली महत्वपूर्ण बैठक सम्पन हुई। इस बैठक में समविश्वविद्यालय (विशिष्ट श्रेणी) के अनुसार आयोजित किये जाने वाले प्रोग्राम के लिए ऑर्डिनेंस एडमिशन प्रक्रिया, पाठ्यक्रम आदि के बारे विस्तृत में चर्चा की गई। इस बैठक में देश के जाने माने शिक्षाविदों एवं संस्थान के संकाय सदस्यों के सुझाव शामिल थे। इस अवसर पर निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन से शैक्षणिक जगत में आमूलचूल परिवर्तन आने वाला है, जो शिक्षा, शिक्षक, कौशल, टीचिंग लर्निंग हर जगह दिखाई देगा। हम ऐसे शिक्षक तैयार करना चाहते हैं जो शिक्षण के कार्य को दिल से करे। अच्छा शिक्षक वही है जो इंनोवेटर, क्रिएटर एवं डेवलपर हो एवं विद्यार्थियों में परिवर्तन ला सके।

संस्थान पहले चरण में 09 विषयों में स्नातकोत्तर डिग्री, 02 विषयों में स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं 11 विषयों में पी.एचडी कार्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया इसी सत्र से शुरू की जा चुकी है।

अकादमिक परिषद में निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी, अकादमिक परिषद सचिव प्रो. संजय अग्रवाल व बाह्य संस्थानों से ट्रिपल आईटी के निदेशक प्रो . आशुतोष कुमार सिंह, भोज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी, गतिशक्ति विश्वविद्यालय बड़ौदा के कुलपति प्रो. मनोज चौधरी, नाइपर मोहाली के प्रो. प्रमिल तिवारी एवं अन्य आमंत्रित सदस्य एवं विशेषज्ञ उपस्थित थे।

## स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की शुरुआत

### कौशल आधारित शिक्षा समाज में क्रांतिकारी बदलाव लायेगी: प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

संस्थान ने कौशल आधारित दो, एक वर्षीय स्नातकोत्तर (पी.जी) डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया है। यह डिप्लोमा कार्यक्रम इंडस्ट्री 4.0 की आवश्यकता के अनुसार इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.आई.ओ.टी) और रोबोटिक्स व ऑटोमेशन विषय पर है। यह कार्यक्रम किसी भी पारंपरिक उद्योग और आधुनिक उद्योग के बीच अंतर को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य उद्योग के विकास के लिए इंटेलीजेंट डिजिटल टेक्नोलॉजीस के बारे में जानकारी प्रदान करना है। संस्थान के निदेशक

प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने बताया कि कौशल विकास राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रमुख घटक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन से शैक्षणिक जगत में मौलिक परिवर्तन आने वाला है। यह कार्यक्रम संस्थान के उत्कृष्ठता केंद्र द्वारा संचालित किये जायेंगे जहाँ थ्योरी के साथ रियल टाइम एप्लीकेशन एवं प्रैक्टिकल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह कार्यक्रम उद्योग जगत के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता को भी पूर्ण करेगा।

## एक जुलाई से लागू होने वाले तीन नए आपराधिक कानून पर व्याख्यान

### आपराधिक न्याय प्रणाली देशवासियों को पारदर्शी और त्वरित न्याय प्रदान करने का काम करेगी- श्री यादव

भारत सरकार द्वारा आपराधिक न्याय प्रणाली में अधिसूचित किए गए तीन नए कानून – "भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम" विषय पर संस्थान में केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी के निदेशक आई.पी.एस श्री अनिल किशोर यादव का व्याख्यान आयोजित किया गया। अपने व्याख्यान में श्री यादव ने तीनों कानून के बारे में सभी उपस्थितगण को विस्तारित रूप से बताया। उन्होंने कहा कि ये तीन नए कानून औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। ये तीनो कानून एक जुलाई से प्रभावी होंगे तथा इन तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों को परिभाषित करके उनके लिए सजा तय करके देश में आपराधिक न्याय प्रणाली

को पूरी तरह से बदलना है। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली लगभग पूरी तरह से तकनीक पर आधारित है। उदाहरण के लिए, सभी अदालती

मामले ऑनलाइन हो जाएंगे और एफआईआर, कोर्ट डायरी और फैसले का डिजिटलीकरण किया जाएगा। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि ये तीनों कानून, नागरिकों के अधिकारों को सर्वोपरि रखते हुए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देंगे। अत्याधुनिक तकनीकों से सशक्त नए भारत की यह नई न्याय प्रणाली देशवासियों को पारदर्शी और त्वरित न्याय प्रदान करने का काम करेगी। इस आयोजन में संस्थान के संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारियों उपस्तिथ थे तथा कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. रवि गुप्ता थे।

## दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के लिए एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संस्थान द्वारा दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय (डी.टी.यू.) के संकाय सदस्यों हेतु "उन्नत शिक्षाशास्त्र और परिणाम आधारित शिक्षा" (एडवांस पेडागोजी एवं आउटकम बेस्ड एजुकेशन) विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन डी.टी.यू के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने किया। उद्घाटन सत्र में प्रो. शर्मा ने कहा कि शिक्षकों को शिक्षण के साथ-साथ अपने ज्ञान को भी अपडेट करना होता है। इसीलिए समय समय पर संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण अनिवार्य है। उन्होंने कहा की संस्कृत केवल भाषा नहीं अपितु भारतीय ज्ञान पद्धति का विशाल भंडार है जिसमें विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी एवं संस्कृति समाहित हैं। संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अपने सन्देश में कहा कि हमारे संस्थान को विभिन्न तकनीकी और उच्च शिक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की मांग प्राप्त हो रही है, जो हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता को दर्शाता है। हमारा संस्थान समय की मांग के अनुसार अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को निरंतर अद्यतित करता रहता है।

इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार कर क्रियान्वित किया गया। इस कार्यक्रम में एडवांस पेडागोजी, आउटकम बेस्ड एजुकेशन एवं एन.बी ए एक्रीडेशन पर विभिन्न सत्र आयोजित किये गये। प्रशिक्षण उपरांत प्रशिक्षणार्थियों को सुधार हेतु फीड बेक प्रदान कर एचीवमेंट टेस्ट भी लिया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डी.टी.यू के प्रो. प्रदीप के. गोयल व संस्थान के प्रो. बी.एल. गुप्ता द्वारा किया गया तथा प्रो. आर.के दीक्षित व प्रो. एस.एस. केदार द्वारा विशिष्ट योगदान प्रदान किया गया।

## 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

### योग स्वयं की, स्वयं के माध्यम से, स्वयं तक की यात्रा है :- प्रो. सी. सी. त्रिपाठी

संस्थान में 10वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य, अधिकारियों, कर्मचारियों और बच्चों ने योगाभ्यास में शामिल होकर स्वस्थ्य रहने का सन्देश दिया। योग दिवस पर संस्थान निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने अपने सन्देश में कहा कि इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम, ‘स्वयं और समाज के लिए योग’ है जिसका उद्देश्य समाज में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। यह दर्शाता है कि कैसे योग मनुष्यों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति स्पष्टता प्रदान कर सकता है, जिससे हम जीवन की चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से सामना कर सकते है। योग स्वयं की, स्वयं के माध्यम से, स्वयं तक की यात्रा है। योग अपने दोहरे लाभों के लिए जाना जाता है: शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना और असाधारण मानसिक शक्ति विकसित करना। आजकल, भागदौड़ भरी ज़िंदगी में

जहाँ स्वास्थ्य के लिए समय कम होता है और तनाव का स्तर बहुत ज़्यादा होता है, लोग कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में, योग के लिए सिर्फ़ आधे घंटे से लेकर 45 मिनट तक का समय समर्पित कर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से सेहतमंद बना जा सकता है। योग के महत्व को समझते हुए संस्थान ने अभिनव पहल करते हुए प्रत्येक रविवार को संस्थान के बच्चों के लिए विशिष्ट रूप से योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है।

## संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय का भ्रमण

संस्थान ने सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के साथ अनुसंधान, नवाचार और आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू) पर हस्ताक्षर किए जाने पर चर्चा की। संस्थान की ओर से प्रो.पी.के पुरोहित, अधिष्ठाता कॉर्पोरेट और इंटरनेशनल रिलेशंस, डॉ. दीपक सिंह व डॉ. वी.डी पाटिल ने सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेश गोसावी से एम.ओ.यू हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर पुणे विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र के प्रो. नंदू वी. चौरे भी उपस्थित थे। संकाय सदस्यों ने भौतिक शास्त्र विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया व अनुसन्धान सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की।

## अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

## "बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा विस्तार केंद्र पुणे में दिनांक 10 से 14 जून 2024 तक विषय "बहुविषयक (मल्टीडिसीप्लिनरी) शिक्षा और अनुसंधान (एनईपी-02)" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार बहुविषयक शिक्षा, शोध एवं उसके महत्व पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को शोध के प्रकार, शोध पत्र/रिव्यु पेपर लिखने की प्रक्रिया, उसके मूल्यांकन के बिंदु, शोध विधियां, शोध प्रस्ताव लेखन, बौद्धिक संपदा अधिकार एवं उसके प्रकार, आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में 42 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह पाठ्यक्रम कार्यरत शिक्षकों के बीच बहुविषयक अनुसंधान करने के कौशल को विकसित करने और उन्हें शोध निष्कर्षों के रूप में विचारों को अवधारणा बनाने, सर्वेक्षण करने, समेकित करने और प्रस्तुत करने के लिए प्रशिक्षित करने का एक व्यवस्थित प्रयास था। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी.के पुरोहित थे तथा संकाय सदस्य के रूप में डॉ. दीपक सिंह व डॉ. वी.डी पाटिल ने योगदान दिया।

## इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं के लिए अनुप्रयुक्त भौतिकी प्रयोगों के निर्माण पर कार्यशाला

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 24 से 28 जून 2024 तक विषय "इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं के लिए अनुप्रयुक्त भौतिकी प्रयोगों का निर्माण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रायोगिक निर्माण और मापन तकनीक विषय पर जानकारी दी जोकि तकनीकी संस्थानों

में काम करने वाले शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग शिक्षकों को अनुप्रयुक्त भौतिकी प्रयोगशालाओं में प्रभावी ढंग से वास्तविक व आभासी (वर्चुअल) प्रयोगों का निर्माण व संचालित

करने के लिए प्रशिक्षित किया गया तथा प्रयोगशाला प्रबंधन, प्रयोग डिज़ाइन, मूल्यांकन, ऑनलाइन शैक्षणिक संसाधन (ओईआर) जैसे पीएचईटी, वी लैब एवं ट्रैकर सॉफ्टवेर आदि की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. हुसैन जीवाखान थे तथा संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के पुरोहित ने योगदान दिया एवं कोर्स सहायक क रूप में कु. नीताशा ठाकुर व श्री प्रशांत सोनी ने सहयोग प्रदान किया।

## कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

### साइबर सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10 से 14 जून 2024 तक विषय "साइबर सुरक्षा" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. रूपेश कुमार देवांग थे तथा संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एस. गणपति ने योगदान दिया।

## मीडिया अनुसंधान एवं विकास शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

### मूक्स-विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया अनुसंधान एवं विकास शिक्षा विभाग द्वारा गुजरात विश्वविद्यालय में दिनांक 22 से 24 अप्रैल 2024 तक विषय "मूक्स-विकास" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को मूक्स-मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस की जानकारी दी गयी जिसमें बताया गया की मूक्स एक ऑनलाइन निशुल्क पाठ्यक्रम, जिसका

उद्देश्य शिक्षा को अधिक सुलभ और व्यापक बनाना है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है जो पारंपरिक शिक्षा प्रणाली का हिस्सा नहीं बन

सकते या जिनके पास उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संसाधन नहीं हैं। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एस एस केदार थे तथा संकाय सदस्य के रूप में प्रो. अस्मिता खजांची ने योगदान दिया।

## प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

### प्रबंधकीय कौशल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10 से 14 जून 2024 तक "प्रभावी निर्णय लेने के लिए प्रबंधकीय कौशल" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में

पॉलिटेक्निक संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजनाओं की योजना बनाना, जोखिमों और अवसरों का आकलन करना, बजट बनाना, हितधारकों के साथ संवाद करना, समस्याओं का निवारण करना आदि सम्मिलित था। प्रबंधकीय कौशल से एक प्रबंधक योजना व रणनीति बनाना, अच्छा संचार कौशल, निर्णय लेना, नेतृत्व

कौशल, समस्या-समाधान कौशल, समय प्रबंधन, वैचारिक-कौशल, प्रेरित करना और टीम का नेतृत्व करना जैसे कौशल सीखता है। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ आशीष देशपांडे थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. पराग दुबे ने सहयोग प्रदान किया।

### इंडक्शन प्रोग्राम (फेज-1) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 03 से 14 जून 2024 तक "इंडक्शन प्रोग्राम (फेज-1)" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतीकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बी.एल.गुप्ता थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अस्मिता खजांची, डॉ. चंचल मेहरा व डॉ. हुसैन जीवा खान ने सहयोग प्रदान किया।

## पाठ्यचर्या विकास एंव मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

### परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन

संस्थान के पाठ्यचर्या विकास एवं मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10 से 14 जून 2024 तक "एसबीटीई, पटना के परिणाम-आधारित पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन (प्रश्न पत्र और प्रयोगशाला मैनुअल विकास)" विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड (एसबीटीई) पटना के 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों कार्यक्रम के दौरान बिहार के तकनीकी शिक्षकों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार तकनीकी विषयों के लिए प्रतिदर्श प्रश्न पत्र एवं नए पाठ्यक्रम के अनुसार प्रयोगशाला मैनुअल तैयार किए तथा उन्नत शिक्षाशास्त्र पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजू रौले थी व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. जे. पी. टेगर व डॉ. रोली प्रधान ने सहयोग प्रदान किया।

## मैकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

## मॉडलिंग एण्ड ऑप्टिमाइजेशन टेकनीक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 27 से 31 मई 2024 तक "मॉडलिंग एण्ड ऑप्टिमाइजेशन टेकनीक्स इन मटेरियल्स एण्ड मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेसेस" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों संस्थान के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को ऑप्टिमाइजेशन टेकनीक्स और क्लासिकल ऑप्टिमाइजेशन: सिंगल वेरिएबल अन्कन्स्ट्रेन्ड ऑप्टिमाइजेशन, मल्टी-वेरिएबल अन्कन्स्ट्रेन्ड ऑप्टिमाइजेशन, कन्स्ट्रेन्ड ऑप्टिमाइजेशन, मटेरियलिस्टिक ऑप्टिमाइजेशन मेथड्स, ईवलूशनरी ऑप्टिमाइजेशन, जेनेटिक एल्गोरिथम फॉर ऑप्टिमाइजेशन, कॉलोनी ऑप्टिमाइजेशन, एंड पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइजेशन आदि विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विपिन कुमार त्रिपाठी थे व संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रवि कुमार गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया।

## ट्रेन दि ट्रेनर (टी.टी.टी.) एण्ड ऐसेसर सर्टिफिकेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 24 से 28 जून 2024 तक "ट्रेन दि ट्रेनर एण्ड ऐसेसर सर्टिफिकेशन" प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड, भोपाल के 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को मेट्रो रेल प्रशिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारिंया, प्रस्तुति की गतिशीलता, प्रशिक्षण की बुनियादी बातें (विश्लेषण की आवश्यकता), विभिन्न प्रशिक्षण मॉडल और दृष्टिकोण, सीखने, निर्देश के सिद्धांत, सीखने के क्षेत्र, प्रशिक्षण डिजाइन (प्रशिक्षण परिणाम तैयार करना), अवधारणा मानचित्र का उपयोग करके सामग्री विकास और विश्लेषण, प्रशिक्षण पद्धतियां (प्रदर्शन, प्रश्न उत्तर तकनीक), समस्या आधारित शिक्षा और केस पद्धति, प्रशिक्षण मूल्यांकन उपकरण और तकनीक, आदि विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. के.के. जैन थे व संकाय सदस्य के रूप में प्रो. आर.बी. शिवगुण्डे, प्रो. ए.के. सराठे, प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. एस.एस. मेथ्यु, प्रो. अस्मिता खजांची, प्रो. चंचल मेहरा ने सहयोग प्रदान किया।

## तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

### क्षमता निर्माण पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10 से 14 जून 2024 तक "क्षमता निर्माण" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में देश भर के 22 अभ्यासरत शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को इंटरैक्टिव थीम, सहयोगी कार्य और परियोजनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से, नवीनतम उद्योग रुझानों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी और अपने संबंधित क्षेत्रों में सफल होने के लिए आवश्यक दक्षताओं के विकास में सहयोग किया गया।

इस कार्यशाला को व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण और सैद्धांतिक ज्ञान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए संरचित किया गया था। यह कार्यक्रम "ई-प्रशिक्षण" पोर्टल का उपयोग करके आयोजित किया गया था, जो संस्थान द्वारा विकसित शिक्षक-प्रशिक्षण के लिए एक समर्पित पोर्टल है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. राजेश पी. खंबायत थे व संकाय सदस्य के रूप में प्रो. ए.के. सराठे व प्रो. मनीष भार्गव ने सहयोग प्रदान किया।

### मैटलैब पर कार्यशाला का आयोजन

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 10 से 14 जून 2024 तक "कंट्रोल सिस्टम एनैलिसिस एण्ड डिजाइन युसिंग मैटलैब" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में देश भर के 19 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विनिर्माण प्रक्रियाओं के विश्लेषण को बेहतर बनाने के लिए नियंत्रक और मैटलैब के डिजाइन में जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम नियंत्रण प्रणाली के विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करके संरचित किया गया, ताकि प्रशिक्षणार्थियों को यथार्थवादी और रोमांचक तरीके से सीखने का अनुभव प्रदान किया जा सके। कार्यकरम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान के डॉ. बी.आर. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का भ्रमण भी करवाया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. रणजीत सिंह थे व संकाय सदस्य के रूप में प्रो. सचिन तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

## विस्तार केन्द्र गोवा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

### एडवांसेज इन कार एयर कंडीशनिंग पर कार्यशाला

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 28 से 30 मई 2024 तक "एडवांसेज इन कार एयर कंडीशनिंग" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अभियांत्रिकी व पॉलिटेक्निक संस्थान के 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को कार एयर कंडीशनिंग में सुधार दक्षता, आराम और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार पर पर विस्तृत जानकारी दी गयी। आज के समय में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कार एयर कंडीशनिंग आवश्यक है, लेकिन रखरखाव व सर्विस के लिए विशेष तकनीशियनों की कमी है, इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन गोम्स ऑटोमोबाइल्स के विशिष्ट सहयोग से किया गया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. एलन संजय रोचा थे।

## विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

### अहमदाबाद, गुजरात विस्तार केन्द्र के 50 गौरवशाली वर्ष पूर्ण

संस्थान के विस्तार केन्द्र अहमदाबाद के 50 वर्ष पूर्ण होने पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने 04 से 05 अप्रैल 2024 को दो दिवसीय भ्रमण किया। निदेशक ने वर्ष 2024-25 के लिए नवीन तकनीकी (सेमिकंण्डक्टर, 5 जी/ 6 जी, इंडस्ट्री 5.0, इत्यादी) पर विभिन्न

तकनीकी संस्थानों, विश्वविद्यालयों एंव शोध संस्थानों के साथ संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रो. निशीथ दुबे, समन्वयक, गुजरात विस्तार केंद्र के साथ विस्तृत चर्चा की।

अपने दो दिवसीय भ्रमण के दौरान निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी, डॉ. संजय अग्रवाल, अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं अनुसंधान, प्रो. निशीथ दुबे, समन्वयक, गुजरात विस्तार केंद्र, ने अहमदाबाद की विभिन्न संस्थानों में उच्च अधिकारीयों के साथ आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए परिचर्चा की।

### गुजरात विश्वविद्यालय का भ्रमण

संस्थान निदेशक डॉ. सी.सी त्रिपाठी, डॉ. संजय अग्रवाल, अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं अनुसंधान, प्रो. निशीथ दुबे, समन्वयक, गुजरात विस्तार केंद्र, ने गुजरात विश्वविद्यालय (जीयू) का भ्रमण किया। निदेशक डॉ. सी.सी त्रिपाठी ने डॉ. नीरजा ए. गुप्ता, कुलपति, जीयू को प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024-25 पुस्तिका प्रदान कर प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। निदेशक ने कहा कि शिक्षकों को परिणाम आधारित शिक्षा और मूक्स में कुशल होना चाहिए। संस्थान व गुजरात विश्वविद्यालय साथ मिलकर युवाओं को परिणाम आधारित शिक्षा प्रदान कर भारत को अग्रणी बना सकता है। इस परिचर्चा में डॉ. पंकजकुमार एन. गज्जर व डॉ. गुरूदत्ता प्रदीप जप्पी भी शामिल थे।

### गुजरात विस्तार केन्द्र, अहमदाबाद के प्रस्तावित नव भवन के लिए भूमि आधिपत्य

संस्थान के विस्तार केंद्र अहमदाबाद में तकनीकी शिक्षा आयुक्त विभाग द्वारा नव भवन के लिए आर.सी.टी.आई, सोला के कैंपस में 900 वर्ग मीटर भूमि प्रदान की गई। प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने भूमि का अवलोकन कर प्रस्तावित नव भवन निर्माण के लिए भूमि का आधिपत्य लिया तथा भूमि पर पौधारोपण भी किया। आधिपत्य के

समय डॉ. संजय अग्रवाल, अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं अनुसंधान, डॉ. पी. सी. रावल, प्राचार्य अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं अनुसंधान, डॉ.निशीथ दुबे, समन्वयक, गुजरात विस्तार केन्द्र, डॉ. उमेश नारायणभाई पाटनी, विभागाध्यक्ष एवं व्याख्याता, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आर.सी.टी.आई, श्री रमेशचन्द्र मोढ, व्याख्याता, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आर.सी.टी.आई उपस्थित थे।

## डिजीटल हेल्थ केयर व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर कार्यशाला

संस्थान के गुजरात विस्तार केंद्र द्वारा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लायड सांइस, अहमदाबाद विश्वविद्यालय में दिनांक 10 मई 2024 को "डिजीटल हेल्थ केयर व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को डॉ. अमित जोशी, सह-प्राध्यापक, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर, ने विषय "स्मार्ट ग्लुकोज मेज़रमेंट डिवाइस फॉर पर्सनॉलाइज्ड हेल्थ मेनेजमेंट ऑफ डाइबिटीज़ केयर", प्रो. मेहुल एस रावल, सह-अधिष्ठाता, अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने विषय "रॉबस्ट ब्रेन ट्यूमर सेगमेंटेशन", डॉ. जयेन्द्र बालोदिया, सहायक प्राध्यापक, अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने विषय "नॉन इनवेसिव ट्यूमर ग्रेडिंग युजिंग एआई एंड रेडियोमिक्स बॉयोमार्करस" तथा प्रो. महेन्द्र रॉय, सहायक प्राध्यापक, अहमदाबाद विश्वविद्यालय ने विषय "डिकोडिंग सर्वाइवल: एआई रॉल इन प्रिडिक्टिंग सर्वाइवल डेयज ऑफ ब्रेन ट्यूमर पेशेन्ट" पर प्रशिक्षण दिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य डिजीटल हेल्थ केयर के क्षेत्र में आर्टीफिशीयल इंटेलीजेंस व अन्य नवाचार को प्रचारित करने के साथ ही इस क्षेत्र में अनुसंधान के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालना था।

## शिक्षण अधिगम शिक्षाशास्त्र पर कार्यशाला

संस्थान के गुजरात विस्तार केंद्र द्वारा सिल्वर ओक यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद में दिनांक 04 से 09 अप्रैल 2024 तक "शिक्षण अधिगम शिक्षाशास्त्र" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने किया और कहा कि तीव्र आर्थिक वैश्वीकरण, उद्योग 4.0 और डिजिटलीकरण के युग में, बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा तकनीकी शिक्षा प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पैदा करती है। इस परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों को मौजूदा शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने की आवश्यकता है, ताकि युवा स्नातकों को इन परिवर्तनों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान डॉ.बशीरउल्ला शेख तथा डॉ. रवि के. कपूर ने योगदान दिया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. निशीथ दुबे, समन्वयक, गुजरात विस्तार केंद्र द्वारा किया गया।

## संस्थान व आईआईटी आरएएम के संयुक्त संकाय विकास कार्यक्रम

संस्थान निदेशक डॉ. सी.सी त्रिपाठी, डॉ. संजय अग्रवाल, अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं अनुसंधान, प्रो. निशीथ दुबे, समन्वयक, गुजरात विस्तार केंद्र, ने इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट (आईआईटी आरएएम) का भ्रमण किया। आईआईटी आरएएम में निदेशक डॉ. सी.सी त्रिपाठी ने तकनीकी प्रशिक्षण के संबंध में प्रो. भृगुनाथ सिंह, महानिदेशक, आईआईटी आरएएम, डॉ. एम.के. बरुआ, निदेशक, आईआईटी आरएएम व अन्य संकाय सदस्यों के साथ बैठक की। इस वार्ता में आईआईटी आरएएम और प्रसिद्ध भारतीय संस्थानों के सहयोग से नई शिक्षा नीति के अनुरूप नए क्षेत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए पांच संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) को संयुक्त रूप से आयोजित करने पर दोनों संस्थानों के बीच सहमति हुई।

## परिणाम आधारित शिक्षा पर कार्यशाला

संस्थान के गुजरात विस्तार केंद्र द्वारा गुजरात विश्वविद्यालय में दिनांक 18 से 20 अप्रैल 2024 तक "परिणाम आधारित शिक्षा" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को डॉ. अंजू रौले, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक, पाठ्यक्रम विकास एवं मूल्यांकन शिक्षा विभाग व प्रो. निशीथ दुबे, प्राध्यापक व समन्वयक, गुजरात विस्तार केंद्र द्वारा उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिणाम आधारित शिक्षा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप परिणाम आधारित शिक्षा को लागु करने, मुल्यांकन करने, प्रशिक्षण विकास प्रणाली के लिए प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. पंकजकुमार एन. गज्जर, डॉ. गुरूदत्ता प्रदीप जप्पी, डॉ. निशीथ दुबे, डॉ. अंजू रावले तथा श्री टी.के. रॉय उपस्थित थे।

## गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का भ्रमण

संस्थान निदेशक डॉ. सी.सी त्रिपाठी, डॉ. संजय अग्रवाल, अधिष्ठाता शैक्षणिक एवं अनुसंधान, प्रो. निशीथ दुबे, समन्वयक, गुजरात विस्तार केंद्र, ने गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीटीयू) का भ्रमण किया। निदेशक डॉ. सी.सी त्रिपाठी ने डॉ. राजुल के. गज्जर, कुलपति, जीटीयू को प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024-25 पुस्तिका प्रदान कर प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए सेमीकंण्डक्टर टेक्नोलॉजी पर जीटीयू व संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर विस्तृत चर्चा हुई। डॉ. संजय अग्रवाल ने बी.टेक पाठ्यक्रम में एनईपी 2020 और उभरती हुई प्रौद्योगिकी का समावेश कर उन्नत करने का प्रस्ताव रखा तथा ई-प्रशिक्षण की जानकारी देते हुए जीटीयू को मूक्स एंव ऑनलाइन कार्यक्रम में ई-प्रशिक्षण के उपयोग का सुझाव दिया व विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन संबंधी चर्चा की।

## यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन कर्णावती विश्वविद्यालय में नवाचार के साथ प्रशिक्षण

गुजरात विस्तार केन्द्र, अहमदाबाद के समन्वयक प्रोफेसर डॉ.निशीथ दुबे ने डॉ. धीरज कुमार, निदेशक, यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, कर्णावती विश्वविद्यालय से औपचारिक भेंट कर तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण तथा व्याख्याताओं के संस्थान में प्रशिक्षण में भाग लेने की आवश्यकता पर चर्चा की व उन्हें कैलेण्डर प्रोग्राम 2024-25 दिया। इस दौरान डॉ. तारिक अली सैय्यद, कुलसचिव, कर्णावती विश्वविद्यालय, ने अपने संस्थान का भ्रमण करवाया तथा केम्पस मे नवाचार से भी अवगत करवाया। भविष्य में कर्णावती विश्वविद्यालय से प्रशिक्षण से संबंधित समझौता ज्ञापन के लिए निदेशक डॉ. चारू चन्द्र त्रिपाठी को अपने विश्वविद्यालय भ्रमण का निमंत्रण भी दिया।

## राजभाषा प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ

## इंदिरा गाँधी मानव संग्रहालय व एम्स भोपाल के राजभाषा सम्मेलनों में संस्थान की सहभागिता

डॉ. अंजलि पोटनीस द्वारा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में दिनांक 26 अप्रैल 2024 व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में दिनांक 29 मई 2024 को राजभाषा सम्मेलन में संस्थान की ओर से "अनुवाद टूल कंठस्थ 2.0" पर विशिष्ट अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया। हिन्दी में काम करने के लिए सबसे आवश्यक "यूनिकोड" का प्रयोग है।

इसके माध्यम से हिन्दी में काम करना अत्यंत सरल हो जाता है। यूनिकोड के माध्यम से न केवल परंपरागत की- बोर्ड से टाइपराइटिंग की जा सकती है, आज पन्द्रह से ज्यादा सर्च इंजन हिन्दी में उपलब्ध हैं। संस्थान की ओर से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के राजभाषा सम्मलेन में कु. नीताशा ठाकुर ने प्रतिभागिता की।

### नोट

संस्थान के कर्मचारी एवं उनके परिवार सदस्य जो अपना लेखन कौशल दिखाने में रुचि रखते हैं, उनसे अनुरोध है कि वे अपने लेख, कविताएँ, लघु कथाएँ राजभाषा सेल (**rajbhashacell@nitttrbpl.ac.in**) को मेल करें। आपकी प्रस्तुत प्रविष्टियाँ तदनुसार प्रकाशित की जाएँगी।

# रचना विशेष पृष्ठ

## पवन पुत्र

हे पवन पुत्र, दुख दुर कर, जन पीर हर, ना जाएं बिखर,

हैं शरण तुम्हारे, सब दुख से सारे, शांति मिले चरणों,

सारे हो दूर हमसे, कृपा अगर होते, दास ना खोये आस,

दुःख निवारण हनुमत, ना लो अब परीक्षा,

दो हमको भी दीक्षा, पार करें सब बाधा,

हे हनुमान जाओ मां, करें तेरा गुणगान,

है तुम्हें शत प्रणाम, है नमन पवन पुत्र।

## द्वंद्व

द्वंद्व अंतर्द्वंद्व में फंसा मानव मन,

समझे ना कुछ लाभ हानि,

सर्प दंश से भी होता कोई विषैला,

कुछ लोगों ने किया समाज को मैला,

कोई तो किसी भी जानवर से है खतरनाक,

किसी मानव के काम देवता से उच्च हैं,

अपने स्वार्थ में फंसा मानव

किधर जाएं ना ले सके निर्णय,

स्वार्थ में खो विवेक, द्वंद्व में बसता जाता,

गलत फैसला ले लेता, निहित स्वार्थ से दूर,

अंतर्द्वंद्व कभी सही राह भी दिखाया,

जब जन कल्याण के बाद प्रभावी होते,

बन जाता देवतुल्य, हो जाता अतुल्य।

## वर्तमान

आओ थोड़ा अतीत की ओर चले

याद करें पुराने दिन, खुशियों से फिर आज गुमें

हर पल जीवन रंग बदलता, ऐसा क्यों होता है

बीतें दिया याद आते हैं, वर्तमान ना लगे मनभावन

पर स्वीकारें परिवर्तन को, माना है कुछ ग़लत आज

पर इस पर को भी जी लें, ना आएगा बीता कल

जी भर जीतें आज का में पल, ज नहीं आयेगा फिर

है कीमती जीवन का हर पल।

## सिरा (छोर)

नितांत अकेले,ना कोई, फिर भी है मगन छंद मन,

उड़े मन पंछी गगन पार, बढ़ चला अपनी उड़ान पर,

मन में लिए ठान करें महान, चाहे कोई माने या ना माने,

समय से बढ़ कर कोई नहीं, अपना समय भी होगा सुख का,

छंट जायेंगें बादल दुख के, है मिला अनमोल जन्म,

पूरे करें अपने कर्म ,धर्म, समझे जीवन का मर्म,

रोज रोज आएं दिन रात, होते हर दिन नया प्रभात,

कोई जग में ना दुखी, हटें सब बाधा जीवन के,

ना भटके मन इधर उधर, सभी चले सीधी सही डगर,

ना बैठें कभी थक कर, है स्वर्ग भी इसी धरा पर,

अपने युग के राम बन, महान बनें, इंसान बने।

**वन्दना त्रिपाठी**

# रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक से आत्म-निर्भरता की दिशा में अग्रसर है भारत : त्रिपाठी

**भोपाल।** रक्षा मंत्रालय के क्वालिटी एश्योरेंस निदेशालय (युद्धपोत परियोजनाएं), नई दिल्ली के उप महानिदेशक, कमोडोर संजय चोपड़ा ने निटर भोपाल के विभिन्न विभागों एवं सेंटर आफ एक्सीलेंस की हाई-टेक लैब्स को विजिट किया। क्वालिटी एश्योरेंस महानिदेशालय सशस्त्र सेनाओं को आपूर्ति किए जाने वाले शस्त्रों, गोला-बारूद, उपकरण और भंडार-सामग्री की संपूर्ण रेंज के लिए गुणता सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारा संस्थान रक्षा क्षेत्र के उपकरण, मानव-संसाधन का प्रशिक्षण, स्टूडेंट्स को डिफेन्स की रियल-लाइफ प्रोब्लम्स, डिफेंस की क्वालिटी एश्योरेंस लैब्स में संस्थान में बने उपकरणों और प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता का परीक्षण आदि क्षेत्रों में भूमिका निभा सकता हैं। रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशी तकनीको को अपनाते हुए भारत आत्म-निर्भरता की दिशा में अग्रसर है। कमोडोर संजय चोपड़ा ने निटर की इंडस्ट्री 4.0 लैब्स का भ्रमण करते हुए कहा कि निटर भोपाल डिफेंस के कई संस्थानों के साथ मिलकर कार्य कर सकता हैं। उन्होंने रक्षा के क्षेत्र में एडवांस टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग की आवश्यकता एवं निटर की भूमिका पर प्रकाश डाला।

### एनआईटीटीटीआर भोपाल के स्थापना सप्ताह का हुआ समापन

# आज बिना इनोवेशंस के कुछ भी संभव नहीं है : प्रो. संजय तिवारी

स्वदेश संवाददाता, भोपाल

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) के स्थापना सप्ताह का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह के मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रो संजय तिवारी ने एनआईटीटीटीआर भोपाल के टेक्निकल एजुकेशन में योगदान के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रो. संजय तिवारी ने कहा की आपका संस्थान अपने कार्यों के प्रति सजग एवं समर्पित हे जो दूसरे संस्थानों के लिए रोल मॉडल भी है। नवाचार के बिना कोई देश प्रगति नहीं कर सकता है। आज बिना इनोवेशंस के कुछ भी संभव नहीं है। आज एजुकेशन के इकोसिस्टम को रीडिफाइन की आवश्यकता है। उन्होंने फ्यूचर टेक्नोलॉजी के अनुसार स्टूडेंट्स को तैयार करने पर बल दिया।

**हम किसी भी कार्य में क्वालिटी से कभी कोम्प्रोमाईज नहीं करेंगे : प्रो. सीसी त्रिपाठी**

निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा की मुझे गर्व है कि संस्थान का एक-एक व्यक्ति संस्थान के विकास में लगा हुआ है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि आज हम सभी शपथ ले की हम किसी भी कार्य में क्वालिटी से कभी कोम्प्रोमाईज नहीं करेंगे। डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने के बाद लोगों की अपेक्षाएं हमसे बढ़ गयी हैं। एनआईटीटीटीआर भोपाल ने इस सप्ताह में इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रयोगशालाओं का भ्रमण का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने उत्कृष्टता केंद्र की 11 हाई-टेक प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। इसका उद्देश्य छात्रों के बीच साइंस एवं टेक्नोलॉजी को लोकप्रिय बनाना और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए नवाचार करने के लिए प्रेरित करना था।

# तकनीकी शिक्षा हमारी अर्थवयवस्था का एक महतवपूर्ण स्तंभ हैः रविन्द्र कन्हारे

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क/आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस / आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल। एनआईटीटीटीआर भोपाल अपनी स्थापना के 60वा वर्ष मना रहा हैं। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर रविन्द्र कन्हारे, प्रवेश एवं शुल्क नियामक समीति मध्य प्रदेश के अध्यक्ष मुख्य अतिथि थे।

श्री कन्हारे ने इस अवसर पर कहा कि 60 वर्षों की इस प्रगतिपूर्ण यात्रा में एनआईटीटीटीआर भोपाल ने देशभर में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनायीं हैं। यहाँ कार्यरत संकाय सदस्य, अधिकारी व कर्मचारियों की ही मेहनत व प्रयासों के फलस्वरूप ही आज संस्थान ने विशिष्ट श्रेणी में सम-विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त किया हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ हमे नवीनतम तकनीको को अपनाना होगा जिससे हम हमारे विद्यार्थियों के लिए अच्छा कंटेंट निर्मित कर सके। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने एनआईटीटीटीआर भोपाल के इतिहास, उपलब्धियां व भावी योजनाओ के बारे में बताते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अस्सेस्मेंट में नवाचार की आवश्यकता है, आधुनिक तकनीकी शिक्षा में समावेशिता और विविधता को प्राथमिकता देनी चाहिए जिसके लिए एक शैक्षणिक वातावरण बनाना आवश्यक है जहाँ सभी विद्यार्थी, अपनी पृष्ठभूमि के इतर स्वागत व समर्थन महसूस कर सके।

संस्थान स्थापना दिवस को एक दिवसीय ना मनाकर पूर्ण सप्ताह 12 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रमों, व्याख्यान श्रंखलाओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाने जा रहा हैं। इस पूर्ण सप्ताह में विभिन्न उद्योगों व शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी संस्थान की उच्च-तकनीकी प्रयोगशालों का भ्रमण भी कर सकेंगे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. सुब्रत रॉय थे तथा इस अवसर पर संस्थान संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण, प्रशिक्षणार्थी व सेवानिवृत्त कर्मचारी परिवार सहित उपस्थित थे।

# इंडस्ट्री इंस्टिट्यूट को एक साथ आना समय की मांग

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क/आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस / आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल। एनआईटीटीटीआर भोपाल ने अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों को अपने परिसर में आमंत्रित किया। इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों ने निटर भोपाल के सेंटर ऑफ़ एक्सेलन्स की लैब्स एवं संस्थान की अन्य सुविधाओं को देखा।

संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने इंडस्ट्री प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहाँ की आज इंडस्ट्री इंस्टिट्यूट को एक साथ आना समय की मांग हे। हम सभी को एक दूसरे के पास उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। आप हमारे पास उपलब्ध टेक्नोलॉजी एवं नॉलेज को प्रोडक्ट में बदलने का कार्य कर सकते हैं।

श्री सी पी शर्मा मैनेजिंग डायरेक्टर दौलतराम इंजीनिअरिंग ने कहा की एकेडेमिक इंस्टिट्यूट की सुविधाओं का लाभ लेकर इंडस्ट्रीज अपनी छोटी से लेकर बड़ी प्रोब्लेम्स को भी सोल्व कर सकती हें। मंडीदीप इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने कहा इंडस्ट्री इंस्टिट्यूट को एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करना होगा तभी इंडस्ट्री की अपेक्षाओं के अनुसार रेडी स्किल्ड मैनपॉवर मिल सकेगी। एनआईटीटीआर, भोपाल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के माध्यम से इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में उच्च कौशल प्रशिक्षण औद्योगिक परामर्श और अनुसंधान कार्य कर रहा हे। आज बिभिन्न प्रदेशों में इमर्जिंग टेक्नोलॉजी को करिकुलम में शामिल करबा कर उद्योग जगत के लिए स्किल्ड मानव संसाधन की आवश्यकता को भी पूर्ण करने में भी एनआईटीटीआर, भोपाल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हे।

इस अवसर पर कई इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि शामिल थे। निटर भोपाल की और से प्रो. के. के. जैन, प्रो. ए. के. सराठे,.प्रो.पी.के.परोहित ,प्रो. एम. ए. रिज़वी, प्रो. वंदना सोमकुंअर इस बैठक में शामिल थे।

# 'चलता है' की प्रवृत्ति अब नहीं चलेगी : प्रो. त्रिपाठी

**भोपाल।** राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) में रक्षा मंत्रालय के गुणता आश्वासन महानिदेशालय की भोपाल यूनिट के क्वालिटी एश्योरेंस ऑफीसर कैप्टन डॉ. ओ पी शर्मा ने परस्पर सहयोग के लिए निटर भोपाल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की लैब्स एवं विभिन्न विभागों को भ्रमण किया। इस अवसर पर निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा की आज हर क्षेत्र में क्वालिटी एक महत्वपूर्ण पैमाना बन गया है। आज इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी और संबंधित विषयों के स्टूडेंट्स एवं कार्य करने वाले सभी लोगों को क्वालिटी स्टैंडर्ड्स की जानकारी आवश्यक है। निटर भोपाल इस दिशा में प्रयास कर रहा है।

## टेक्नोलॉजी की हेल्प से एग्रीकल्चर की फील्ड में भी क्रांति आई है : प्रो. त्रिपाठी

भोपाल. एनआईटीटीटीआर भोपाल में क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड नई दिल्ली के वाइस प्रेसीडेंट डॉ एस पी पाण्डेय ने विभिन्न विभागों, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की लैब्स को विजिट किया। डॉ एस पी पाण्डेय ने स्टाफ के साथ इंडस्ट्रीज की रियल प्रॉब्लम्स एवं उनके सोल्यूशंस पर डिस्कशन किया। इस अवसर पर निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की लैब्स में भी इंडस्ट्री की प्रॉब्लम्स के सोल्यूशंस पर कार्य किया जा रहा है। मौके पर निटर भोपाल के डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो पी के पुरोहित, प्रो के के जैन, प्रो सीमा वर्मा, डॉ इजहार अहमद उपस्थित थे।

## रिसर्च पेपर पब्लिकेशन तक सीमित न रहे : त्रिपाठी

भोपाल. एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने आईआईटी मंडी हिमाचल प्रदेश के साथ मिलकर अनुसंधान, नवाचार और आपसी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू पर दोनों संस्थानों के डायरेक्टर प्रो सी सी त्रिपाठी और प्रो लक्ष्मीधर बेहरा ने हस्ताक्षर किए। निटर निदेशक प्रो सी सी त्रिपाठी ने अपने संदेश में कहा कि दोनों संस्थान सेमीकंडक्टर डिवाइस की असेंबली और पैकेजिंग के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगी। एनआईटीटीटीआर, भोपाल ऑउटसौर्सेड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओसेट) के लिए स्किलिंग सेंटर शुरू करने जा रहा है। इस सेंटर में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से रिलेटेड हर तरह की ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। दोनों संस्थान अकादमिक, रिसर्च, फैकल्टी स्टूडेंट एक्सचेंज आपसी सहमति से कार्य करेंगे।

## Institutions and industries together can reduce dependence on imports: Tripathi

MoU signed between NITTTR and LTI.

■ Staff Reporter

NATIONAL Institute of Technical Teachers Training and Research (NITTTR), Bhopal, signed an MoU with Linkage Technologies Inc (LTI), Bhopal. While addressing the occasion, NITTTR Bhopal Director Professor CC Tripathi mentioned that in today's era it is necessary for technical institutions to work on the real problems of the industry. To ensure quality in the field of technical education, skill development and research, mutual co-operation of expertise and resources of all the institutions and industries is necessary. The Managing Director of Linkage Technologies Inc, Deepak Sharma stated that today, there are immense possibilities for industries in India to make indigenous products. In the last few years, due to Make in India project, dependence on imports has also reduced, which is a good sign for the country. Also, he gave information about the indigenous products developed by his company during the Covid times. Our history has been rich in every field, we just need to make efforts. Through this MoU, students and faculty will get industrial experience in the field of training, research and consultancy. Vijay Lokhande, Technical Head of Linkage Technologies, Praveen Firke, Dean Corporate and International Relations of NITTTR Bhopal, Professor P K Purohit, Professor K K Jain, Professor R K Dixit made their presence at the event.

# NITTTR signs MoU with IIT Mandi

## Research should not be limited to paper publication: Prof Tripathi

**Chronicle Reporter, Bhopal**

NITTTR, Bhopal has signed MoU with IIT Mandi, Himachal Pradesh for research, innovation and mutual cooperation. This MoU was signed by Prof. C.C. Tripathi and Prof. Laxmidhar Behera, directors of both the institutes. NITTTR Director Prof C.C .Tripathi said in his message that both the institutes will work together in the field of assembly and packaging of semiconductor devices. Prof. Tripathi said that research in the field of semiconductor should not be limited to paper publications only but should reach the masses in the form of products through packaging. Today the world is looking towards India in the field of semiconductor.

Indian Semiconductor Mission aims to make India a hub of semiconductor manufacturing and design by promoting domestic manufacturing and innovation. NITTTR Bhopal is going to start Skilling Center for Outsourced Semiconductor Assembly and Test (OSAT).

All types of training related to semiconductor industry will be provided in this center. Both the institutions will work with mutual consent in the field of academics, research, faculty student exchange, joint workshops, seminars, capacity building, student internship, industry projects etc.

## आपराधिक न्याय प्रणाली देशवासियों को पारदर्शी और त्वरित न्याय प्रदान करने का काम करेगी- अनिल किशोर यादव

सीएनएन सेंट्रल न्यूज़ एंड नेटवर्क/आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस / आईटीडीसी न्यूज़ भोपाल। एनआईटीटीटीआर भोपाल में आपराधिक न्याय प्रणाली में अधिसूचित किए गए तीन नए कानून ङ्क भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम विषय पर व्याख्यान का आयोजन हुआ जिसमे मुख्य वक्ता सीएपीटी के निदेशक आईपीएस अनिल किशोर यादव थे, वहीं उक्त संगोष्ठी की अध्यक्षता निटर के निदेशक प्रोफेसर सीसी त्रिपाठी ने की। अपने व्याख्यान मे श्री अनिल किशोर यादव ने तीनो कानूनो के बारे में सभी को बड़े ही विस्तार से बताया। उन्होंने कहा की ये कानून औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों को परिभाषित करके उनके लिए सजा तय करके देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है। ये तीनो कानून एक जुलाई से प्रभावी हो रहे हैं। निटर के निदेशक प्रोफेसर सीसी त्रिपाठी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि ये कानून, नागरिकों के अधिकारों को सर्वोपरि रखते हुए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देंगे। अत्याधुनिक तकनीकों से सशक्त नए भारत की यह नई न्याय प्रणाली देशवासियों को पारदर्शी और त्वरित न्याय प्रदान करने का काम करेगी। इस आयोजन में संस्थान के संकाय अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. रवि गुप्ता थे ।

## संस्थान और उद्योग साथ मिलकर आयात पर निर्भरता कम कर सकते है : प्रो. त्रिपाठी

नगर संवाददाता,भोपाल

एनआईटीटीटीआर भोपाल ने लिंकेज टेक्नोलॉजीज भोपाल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर निटर निदेशक प्रो सी.सी त्रिपाठी ने कहा कि आज टेक्निकल इंस्टीटूशन्स को इंडस्ट्री की रियल प्रोब्लेम्स पर कार्य करना जरुरी है। तकनीकी संस्थान और उद्योग साथ मिलकर आयात पर निर्भरता कम कर सकते हे। तकनीकी शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट एवं रिसर्च के क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सभी संस्थानों की विशेषज्ञता एवं संसाधनों का परस्पर सहयोग जरूरी है। लिंकेज टेक्नोलॉजीज के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक शर्मा ने कहा कि आज भारत में इंडस्ट्रीज के सामने स्वदेशी प्रोडक्ट बनाने के लिए अपार सम्भावनाये हैं। पिछले कुछ वर्षों में मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट के कारण आयात पर भी निर्भरता कम हुई है जो की देश के लिए एक शुभ संकेत है। दीपक शर्मा ने कोविड समय में उनकी कंपनी द्वारा विकसित स्वदेशी प्रोडक्ट की भी जानकारी दी। हमारा इतिहास हर क्षेत्र में समृद्ध रहा है आवश्यकता हे सिर्फ प्रयास करने की। इस एमओयू के माध्यम से स्टूडेंट एवं फैकल्टी को ट्रेनिंग, रिसर्च, कंसल्टेंसी के क्षेत्र में इंडसट्रियल एक्सपीरिएंस मिलेगा।

**एनआईटीटीटी आर ने लिंकेज टेक्नोलॉजीज के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए**

## कौशल आधारित शिक्षा समाज में क्रांतिकारी बदलाव लायेगी: प्रो. सी. सी. त्रिपाठी

भोपाल| नित्य नमन टाइम्स

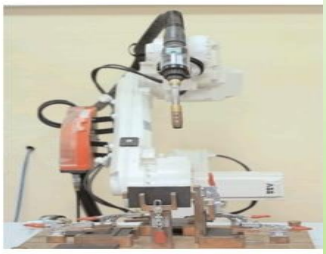

एनआईटीटीटीआर भोपाल, कौशल आधारित दो एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम स्टार्ट करने जा रहा हे। जो इंडस्ट्री 4.0 की आवश्यकता के अनुसार इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स (ढ्ढश्वञ्ज) और रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन विषय पर होंगे। ये कार्यक्रम किसी भी पारंपरिक उद्योग और स्मार्ट उद्योग के बीच अंतर को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य इंडस्ट्री की ग्रोथ के लिए इंटेलीजेंट डिजिटल टेक्नोलॉजीस के बारे में जानकारी प्रदान करना हे। संस्थान के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने बताया की कौशल विकास राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रमुख घटक हे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन से शैक्षड़िक जगत में आमूलचूल परिवर्तन आने बाला हे। यह कार्यक्रम निटर भोपाल के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस द्वारा संचालित किये जायेंगे जहाँ थ्योरी के साथ रियल टाइम एप्लीकेशन एवं प्रैक्टिकल पर फोकस होगा। यह प्रोग्राम उद्योग जगत के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता को भी पूर्ण करेगा।

# Criminal justice system will provide speedy justice: Anil Yadav

**Bhopal:** A lecture was organized on the implementation of three new laws in the criminal justice system at the NITTTR Bhopal, where the main speaker was CAPT Director IPS Anil Kishor Yadav, and the lecture was chaired by NITTTR Director Professor C.C. Tripathi.

In his lecture, Mr. Anil Kishor Yadav elaborated extensively on all three laws. He said that these laws will replace the Indian Penal Code, the Code of Criminal Procedure, and the Indian Evidence Act of 1872 in the contemporary Indian legal system.

The purpose of these three laws is to redefine various offenses, determine punishments for them, and completely overhaul the criminal justice system in the country. These three laws will come into effect from July 1st.

NITTTR Director Professor C.C. Tripathi said that these laws, while prioritizing the rights of citizens, will give top priority to the safety of women and children. This new justice system of modern India, empowered by advanced technologies, will provide transparent and speedy justice to the citizens. Officers and employees of the institution participated in this event. Prof. Ravi Gupta was the coordinator of this programme.

# एनआईटीटीटीआर भोपाल द्वारा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनीवर्सिटी के लिए एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम

**भोपाल।** एनआईटीटीटीआर भोपाल द्वारा दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनीवर्सिटी (डी.टी.यू.) के संकाय सदस्यों हेतु ÷एडवांस पेडागोजी एवं आउटकम बेस्ड एजुकेशन÷ विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका उद्घाटन डी.टी.यू के कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने किया। उद्घाटन सत्र में प्रो. शर्मा ने कहा कि शिक्षकों को शिक्षण के साथ-साथ अपने नॉलेज को भी अपडेट करना होता हे। इसीलिए समय समय पर फैकल्टी की ट्रेनिंग अनिवार्य हे। उन्होंने कहा की संस्कृत केवल भाषा नहीं अपितु भारतीय ज्ञान पद्धति का विशाल भंडार है जिसमें विज्ञान, गणित, प्रौद्योगिकी एवं संस्कृति समाहित हैं। निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अपने सन्देश में कहा कि निटर भोपाल को विभिन्न तकनीकी और उच्च शिक्षा संस्थानों से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की मांग प्राप्त हो रही है, जो हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता को दर्शाता है। हमारा संस्थान समय की मांग के अनुसार अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों को निरंतर अपडेट रहता है।

8

# NITTTR gives message of staying healthy on Intl Yoga Day

Participants at NITTTR Yoga Day event.

■ **Staff Reporter**

THE Director of the National Institute of Technical Teachers' Training and Research (NITTTR), Professor C C Tripathi stressing that yoga is a journey of the self, through the self, to the self said, "Yoga is known for its dual benefits. It helps in improving physical health and developing extraordinary mental strength.

Nowadays, in a busy life there is less time for health and the level of stress is very high, people fall prey to many types of diseases. In such a situation, by devoting only half an hour to 45 minutes to yoga, one can become healthy both physically and mentally. Due to significant importance of Yoga, today it is being adopted as an important practice at the global level. According to the information, the director gave his remarks in the event organised by NITTTR to commemorated the International Yoga Day.

Additionally, the Director while underlining the theme of International Yoga Day said that, the theme of this year's International Yoga Day is 'Yoga for Self and Society' which aims to promote physical, mental and emotional health in society. It shows how yoga can provide clarity to humans regarding mental and physical health, so that we can face the challenges of life more effectively.

Furthermore, the event was attended by faculty members, officers, employees and children of the institute. The attendees participated in yoga practice and gave the message of staying healthy.

# राजभाषा पत्रिका संपर्क सरिता का विमोचन

**भोपाल.** एनआईटीटीटीआर भोपाल में राजभाषा त्रैमासिक पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का विमोचन निटर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी द्वारा किया गया. इस अवसर पर प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का प्रवाह रुकना नहीं चाहिए. हम हिंदी के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर दिल से करते हैं. संस्थान की पत्रिका ''संपर्क सरिता'' हिंदी के प्रचार प्रसार की दिशा में प्रशंसनीय प्रयास है. इस अवसर पर पत्रिका के संपादक डॉ. पी.के. पुरोहित ने बताया कि राजभाषा पत्रिका ''संपर्क सरिता'' का प्रकाशन गत 25 वर्षों से किया जा रहा है. विगत 25 वर्षों से बिना किसी अवरोध के राजभाषा पत्रिका का समय पर प्रकाशन किसी भी संस्थान के लिए गर्व एवं हिंदी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

# अप्रैल माह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम एवं कार्यशालाएँ

# मई माह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम एवं कार्यशालाएँ

# जून माह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम एवं कार्यशालाएँ